लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2863
10 मार्च, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

तमिलनाडु में समर्थ योजना

2863. श्री सी. एन. अन्नादुरई:
श्री जी. सेल्वम:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने तमिलनाडु में, विशेषकर तिरुवनमलाई जिले में, जहां हथकरघा, रेशम और वस्त्र उद्योग में बड़ी संख्या में श्रमिक हैं, समर्थ (वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण योजना) के कार्यान्वयन की समीक्षा की है;

(ख) इन जिलों में पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान समर्थ के अंतर्गत नामांकित, प्रशिक्षित और प्रमाण-पत्र प्राप्त अभ्यर्थियों की संख्या कितनी है, साथ ही रोजगार और स्वरोजगार के परिणामों का ब्यौरा क्या है;

(ग) तमिलनाडु, विशेषरूप से तिरुवनमलाई जिले में पिछले तीन वर्षों के दौरान समर्थ प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए आवंटित की गई, जारी की गई और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा इस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित युवाओं और कारीगरों के लिए बाजार लिंकेज को सुदृढ़ करने, कौशल आधुनिकीकरण करने और स्थायी रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वस्त्र मंत्री
(श्री गिरिराज सिंह)

(क) और (ख): वस्त्र मंत्रालय की समर्थ (वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण योजना) अखिल भारतीय आधार पर वस्त्रों की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को शामिल करते हुए, स्पिनिंग और विविंग को छोड़कर, संगठित वस्त्र क्षेत्रों में रोजगार सृजन में उद्योग के प्रयासों को पूरा करने के लिए मांग-आधारीत, रोजगार-उन्मुख कौशल कार्यक्रम प्रदान करती है।इस योजना के तहत, तमिलनाडु राज्य में कुल 1,07,004 लाभार्थियों को प्रशिक्षण (उत्तीर्ण) दिया गया है और 91,475 लाभार्थियों को रोजगार मिला। तथापि, तिरुवन्नामलाई जिले में पिछले तीन वित्त वर्षों (2022-23 से 2024-25) के दौरान 900 लाभार्थियों को प्रशिक्षण (उत्तीर्ण) प्रदान किया गया है और 646 लाभार्थियों को रोजगार मिला।

(ग): समर्थ योजना के अंतर्गत राज्य/जिलावार निधियों का कोई अलग आवंटन नहीं है।

(घ): यह योजना युवाओं और कारीगरों को वास्तविक उद्योग अवसरों से जोड़ने के लिए मांग पर आधारित, रोजगार-उन्मुख प्रशिक्षण पर फोकस करती है। स्पिनिंग और वीविंग को छोड़कर, वस्त्र मूल्य श्रृंखला में अद्यतन पाठ्यक्रम, हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग और सर्टिफ़िकेशन के द्वारा कौशल को आधुनिक बनाया जाता है और कारीगरों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए नये प्रौद्योगिकी कौशल को बढ़ावा दिया जाता है।

****